<u>भारतीय खान ब्यूरो, मुख्यालय, नागपुर में दिनांक : 17/02/2026 को एक दिवसीय हिंदी कार्यशाला का आयोजन</u>

भारत सरकार की राजभाषा नीति के कार्यान्वयन एवं हिंदी के प्रचार – प्रसार व प्रगति के उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए भारतीय खान ब्यूरो, मुख्यालय, नागपुर में दिनांक : 17 फरवरी, 2026 को अधिकारियों एवं कर्मचारियों हेतु एक दिवसीय हिंदी कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस हिंदी कार्यशाला में कुल 31 अधिकारी एवं कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

सर्वप्रथम श्री अभिनय कुमार शर्मा, संपादक ने हिंदी कार्यशाला की प्रस्तावना रखते हुए प्रतिभागियों को कार्यशाला के समस्त सत्रों की संक्षिप्त जानकारियां दीं।

कार्यक्रम का शुभारंभ डॉ. योगेश जी काले, मुख्य खान नियंत्रक तथा श्री बी. एल. गुर्जर, खान नियंत्रक (मध्यांचल) एवं राजभाषा अधिकारी की गरिमामयी उपस्थिति में हुआ।

कार्यशाला के अंतर्गत श्री अरूण कुमार कुंभारे, सहायक निदेशक (राजभाषा), कर्मचारी भविष्य निधि संगठन, क्षेत्रीय कार्यालय, नागपुर द्वारा “प्रशासनिक पत्राचार व हिंदी वर्तनी संबंधी महत्वपूर्ण जानकारियां” विषय पर मार्गदर्शन प्रदान किया गया। श्री पी. एम. सुंदरेश्वर, प्रशासन अधिकारी, भारतीय खान ब्यूरो, नागपुर ने “ईएचआरएमएस एवं सेवापंजी से संबंधित जानकारियां” विषय पर उपयोगी जानकारी साझा की। इसके अतिरिक्त श्री असीम कुमार, वरिष्ठ अनुवाद अधिकारी, भारतीय खान ब्यूरो, नागपुर द्वारा “संशोधित हिन्दी तिमाही रिपोर्ट” विषय पर विस्तृत प्रस्तुति दी गई।

कार्यशाला में अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने सक्रिय सहभागिता करते हुए हिंदी के प्रभावी प्रयोग हेतु प्रतिबद्धता व्यक्त की।

कार्यशाला में सभी प्रतिभागियों ने अपनी विशेष रूचि दिखाते हुए व्याख्याताओं से अपनी समस्याओं का निवारण किया साथ ही ऐसी कार्यशाला समय – समय पर नियमित रूप से आयोजित किए जाने की इच्छा व्यक्त की ।

कार्यशाला के पश्चात् सभी प्रतिभागियों से कार्यशाला के विषय में उनकी प्रतिक्रियाएं भी प्राप्त की गई । सभी प्रतिभागियों ने सकारात्मक प्रतिक्रियाएं व्यक्त की साथ ही यह भी कहा कि कार्यशाला में व्याख्याताओं के साथ विचार – विमर्श आवश्यक है तथा प्रतिभागियों ने सुझाव दिया कि इस प्रकार की हिंदी कार्यशाला समय – समय पर होनी चाहिए तथा तकनीकी विषयों पर भी कार्यशाला आयोजित करने के सुझाव दिए । साथ ही यह भी कहा कि ऐसी कार्यशालाओं से सरकारी कामकाज में काफी मदद मिलती है तथा इस कार्यशाला को पूरी तरह से परिपूर्ण बताया ।

अंत में श्री अभिनय कुमार शर्मा, संपादक द्वारा दिए गए धन्यवाद ज्ञापन के साथ कार्यशाला सफलतापूर्वक संपन्न हुई ।